an>

Title: Regarding alleged illegal sand mining in rivers in Chhattisgarh - laid.

श्री मोहन मंडावी (कांकेर): अंचल मे रेत का कथित अवैध खनन कार्य थमने का नाम नहीं ले रहा है। नियमो को ताक मे रखकर नदियों से रेत ठेकेदारों द्वारा चैन माउंटेन से रेत का उत्खनन किया जा रहा है* नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेशों की अवहेलना की जा रही है इस अवैध कार्य पर रोक लगाने मे सरकारी सिस्टम एवं विभागीय अफसर भी प्रभावी साबित नही हो पा रहे हैं। छतीसगढ़ के जीवन दायिनी महानदी व तंदुला नदी या आँय प्रमुख नदियों से खनिज विभाग द्वारा ठेकेदारी प्रथा के अनुसार खदान आवंटित किया गया है। परंतु रेत खनन के साथ विभागीय नियमों का भी पालन होता है। ठेकेदारों द्वारा बेखौफ चैन माउंटेन से कथित अवैध रेत निकालकर नियम विरुद्ध काम किया जा रहा है कथित अवैध रूप से ओवर लोडिंग किए जा रहे है। परिवहन से सड़कों की माली हालत बहुत ही खराब हो चुकी है। खराब सड़कों के रख-रखाव एवं संधारण हेतु जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामवासियों द्वारा विरोध दर्ज कराया जाता है। लेकिन रेत माफियाओं के दबाव के चलते सभी नतमस्तक रहते है। रेतमाफियाओं की दादागिरी छतीसगढ़ मे किसके संरक्षण मे चल रही है, येजांच का विषय है।

आखिर क्यों वर्तमान व्यवस्था को कर रहे है दरकिनार? ऐसे ही खनिज विभाग उदासीन रहा तो ठेकेदारों की मनमानी से पर्यावरणीय नुकसान होता रहेगा। और रेत की कीमतों मे इजाफा होगा।